11. नौबतखाने में इबादत

पाठ का सारांश

- सन् 1916 से 1922 के आसपास की काशी। पंचगंगा घाट स्थित बालाजी विश्वनाथ मंदिर की ड्योढ़ी। ड्योढ़ी का नौबतखाना और नौबतखाने से निकलनेवाली मंगलध्वनि।।
- अमीरूद्दीन अभी सिर्फ छह साल का है और बड़ा भाई शम्सुद्दीन नौ साल का। अमीरूद्दीन को पता नहीं है कि राग किस चिड़िया को कहते हैं। और ये लोग हैं मामूंजान वगैरह जो बात-बात पर भीमपलासी और मुलतानी कहते रहते हैं। क्या बाजिब मतलब हो सकता है इन शब्दों का इस" लिहाज से अभी उम्र नहीं है अमीरूद्दीन की; जान सके इन भारी शब्दों का बजन कितना होगा।
- अमीरूद्दीन का जन्म डुमराँव, बिहार के एक संगीत प्रेमी परिवार में हुआ है। 5-6 वर्ष डुमराँव में बिताकर वह नाना के घर, ननिहाल काशी में आ गया है। शहनाई और डुमराँव एक-दूसरे के लिए उपयोगी हैं। उनकी अबोध उम्र में अनुभव की स्लेट पर संगीत प्रेरणा की वर्णमाला रसूलनवाई और बजूलनवाई ने उकेरी है। इसे संगीत शास्त्रांतर्गत 'सुषिर-वाद्यों' में गिना जाता है। अरब देश में फूंककर बजाए जाने वाले वाद्य जिसमें नाड़ी नरकट या रीड होती है को 'नय' बोलते हैं। शहनाई को 'शहनाई अर्थात् 'सुषिर वाद्यों में शाह की उपाधि दी गई है।
- शहनाई की इसी मंगलध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खाँ साहब अस्सी बरस से सुर माँग रहे हैं। सच्चे सुर की नेमत। अस्सी बरस की पाँचों वक्त वाली नमाज इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती है। लाखों सजदे इसी एक सच्चे सुर की इबादत में खुदा के आगे झुकते हैं। बिस्मिला खाँ और शहनाई के साथ जिस मुस्लिम पर्व का नाम जुड़ा है, वह मुहर्रम है। आठवीं तारीख उनके लिए खास महत्त्व की है। इस दिन खाँ साहब खड़े होकर शहनाई बजाते हैं व दालमंडी में फातमान के करीब आठ किलोमीटर की दूरी तक पैदल रोते हुए, नौटा बजाते जाते हैं।
- बचपन की दिनों की याद में वे पक्का महाल की कुलसुम हलवाइन की कचौड़ी वाली दुकान व गीताबाली और सुलोचना को ज्यादा याद करते हैं। सुलोचना उनकी पसंदीदा हीरोइन रही थीं।
- अपने मजहब के प्रति अत्यधिक समर्पित उस्ताद बिस्मिला खाँ की श्रद्धा काशी विश्वनाथ जी के प्रति भी अपार है। वे जब भी काशी से बाहर रहते हैं तब विश्वनाथ व बालाजी मंदिर की

दिशा की ओर मुँह करके बैठते हैं, थोड़ी देर ही सही, मगर उसी ओर शहनाई का प्याला घुमा दिया जाता है और भीतर की आस्था रीड के माध्यम से बजती है।

- काशी संस्कृति की पाठशाला है। शास्त्रों में आनंदकानन के नाम से प्रतिष्ठित है। काशी में कलाधर हनुमान व नृत्य-विश्वनाथ हैं। काशी में विस्मिल्ला खाँ है। काशी में हजारों सालों का इतिहास है जिसमें पंडित कंठे महाराज हैं, बड़े रामदास जी है, मौजुद्दीन खाँ हैं व इन रसिकों से उपकृत होने वाला अपार जन-समूह है।
- आपकी। अब तो आपको भारतरत्न भी मिल चुका है, यह फटी तहमद न पहना करें। अच्छा नहीं लगता, जब भी कोई आता है आप इसी फटी तहमद में सबसे मिलते हैं।" खाँ साहब मुस्कराए। लाड़ से भरकर बोले "धत। पगली ई भारतरत्न हमको शहनईया' पे मिला है, लगिया पे नाहीं।
- नब्बे वर्ष की भरी-पूरी आयु में 21 अगस्त 2006 को संगीत रसिकों की हार्दिक सभा से हमेशा के लिए विदा हुए खाँ साहब।

11. नौबतखाने में इबादत

* लेखक परिचय *

लेखक परिचय → यतीन्द्र मिश्र परिचय

जन्म → 1977 अयोध्या (उत्तरप्रदेश)

→ लखनऊ विश्वविद्यालय से हिन्दी भाषा और साहित्य में M.A वे रचनाकार के रूप में एक कवि थे।

तीन काव्य संग्रह → यदा - कदा, अयोध्या तथा अन्य डयोढ़ी पर आलाव

→ गिरजादेवी के जीवन और संगीत साधना पर एक पुस्तक गिरजा लिखा है |

→ भारतीय कलाओं पर विमर्श की एक पुस्तक देवी प्रिया लिखा इसमे सोहन भान सिंह से लेखक का बातचीत |

→ विमला देवी फाउंडेशन का संचालन 199 से कर रहे ही → द्विजदेव ग्रंथाननी का यह संपादन किया |

पुस्कार → भूषण अग्रवाल पुस्कार, भारतीय भाषा परिषद युवा पुरस्कार, राजीव ग्रंथि राष्ट्रीय एकता पुरस्कार, हेमते स्मृति कविता पुस्कार, ऋतु राजा पुरस्कार

नई दिल्ली और संजय नई दिल्ली की फिलोसफी पुरस्कार

11. नौबतखाने में इबादत

Short answer question

1. (i) 'नय' किसे कहते हैं? संगीतशास्त्र के अनुसार, शहनाई किस वाद्ययंत्र में परिगणित होती है? 'सुषिरवाद्य' किन्हें कहते हैं? 'शहनाई' शब्द की व्युत्पत्ति किस प्रकार हुई है ?

उत्तर - अरब देश के एक वाद्य को जिसे फूँककर बजाया जाता है और जिसमें नाड़ी (नरकट या रीड) होती है, 'नय' नाम से जाना जाता है। संगीतशास्त्र के अनुसार, शहनाई को 'सुषिरवाद्यों' में परिगणित किया जाता है। फूँककर बजाए जानेवाले वाद्य को 'सुषिरवाद्य' कहा जाता है। 'शहनाई' शब्द की व्युत्पत्ति फारसी (शाह) और अरबी (नय) शब्दों के मेल से हुई है। इसका अर्थ हुआ - वह वाद्य जो -फूँककर बजाए जानेवाले (नय) वाद्यों का 'शाह' यानी बादशाह हो।

(ii) शहनाई को 'शाहनेय' क्यों कहा जाता है? तानसेन द्वारा रची बंदिश में किन वाद्यों का वर्णन मिलता है? तानसेन द्वारा रची बंदिश कहाँ प्राप्त होती है?

उत्तर - शहनाई को 'सुषिरवाद्यों' में 'शाह' की उपाधि प्राप्त है, अतः शहनाई को 'शाहनेय' (शाह + नेय) कहा जाता है। तानसेन द्वारा रची बंदिश में शहनाई, मुरली, वंशी, श्रृंगी तथा मुरछंग आदि का वर्णन मिलता है।

(iii) शहनाई का उल्लेख बार-बार कहाँ मिलता है? अवध प्रदेश में शहनाई का प्रयोग किन अवसरों पर किया जाता है ?

उत्तर - अवधी भाषा के पारंपरिक लोकगीतों, जैसे 'चैती' आदि में शहनाई का उल्लेख बार-बार मिलता है। अवध प्रदेश में शहनाई का प्रयोग मांगलिक अवसरों पर किया जाता है।

(iv) दक्षिण भारत में किसे मंगल वाद्य के रूप में जाना जाता है ? शहनाई और 'नागस्वरम्' में क्या समानता है ?

उत्तर - दक्षिण भारत में 'नागस्वरम्' को मंगल वाद्य के रूप में जाना जाता है। शहनाई और 'नागस्वरम्', दोनों मंगल वाद्य हैं। 'नागस्वरम्' की तरह शहनाई भी प्रभाती की मंगल ध्वनि की संपूरक (पूरा करनेवाली) है।

2. **हिरण का वरदान क्या है ? अस्सी बरस से बिस्मिल्ला खाँ क्या सोचते आये हैं?**

उत्तर - हिरण (हिरन) का वरदान है कि एक सुगंधित पदार्थ (कस्तूरी) उसकी नाभि के पास की गाँठ में पैदा होता है। अस्सी बरस से बिस्मिल्ला खाँ यही सोचते आये हैं कि अभी तक उन्हें सात सुरों को साधने में प्रवीणता क्यों नहीं प्राप्त हुई है।

3. **(i) काशी संस्कृति की पाठशाला है, कैसे ?**

उत्तर - काशी को संस्कृति की पाठशाला कहा गया है। यहाँ रहकर या इससे आत्मीयता साधकर हम सांस्कृतिक गुणों से संपन्न हो सकते हैं। यह धर्म और धार्मिक सद्भाव की नगरी है। यहाँ एकता का मंत्र सर्वदा गुंजित होता रहता है। विभिन्न कलाओं, कलाकारों, विधाओं और साधनाओं की नगरी है काशी। इसीलिए, काशी को संस्कृति की पाठशाला कहा जाता है।

(ii) काशी का जनसमूह किन रसिकों से उपकृत होता आया है?

उत्तर - काशी का जनसमूह अनेक रसिकों से उपकृत होता आया है। कलाधर हनुमान, नृत्यप्रिय शंकर (विश्वनाथ), पंडित कंठे महाराज, विद्याधरी, रामदासजी, बिस्मिल्ला खाँ, मौजुद्दीन खाँ जैसे रसिकों से काशी का जनसमूह हजारों-हजार साल से उपकृत होता आया है।

(iii) काशी नगरी की विशेषता क्या है? यह शास्त्रों में किस नाम से प्रतिष्ठित है?

उत्तर - काशी नगरी विशिष्ट नगरी है। इसकी अलग तहजीब (सभ्यता) और विशिष्ट भाषा है। इसके लोग भी विशिष्ट हैं। इस नगरी के अपने निराले उत्सव हैं और अपने अलग किस्म के गम (दुःख) हैं। इसका अपना सेहरा-बन्ना है और अपना नौहा (शहनाई) है। अर्थात, यह नगरी हर क्षेत्र में अपूर्व और निराली है। यह शास्त्रों में 'आनंदकानन' के नाम से प्रतिष्ठित है।

(iv) यहाँ किसको अलग करके नहीं देखा जा सकता?

उत्तर - यहाँ संगीत को भक्ति से, भक्ति को किसी भी धर्म के कलाकार से, कजरी को चैती से, विश्वनाथ को विशालाक्षी (पार्वती) से और बिस्मिल्ला खाँ को गंगाद्वार से अलग करके नहीं देखा जा सकता।

4. (i) 'बिस्मिल्ला खाँ' का क्या अर्थ है? 'शहनाई' का तात्पर्य क्या है?

उत्तर - 'बिस्मिल्ला खाँ' का अर्थ है- बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई। 'बिस्मिल्ला खाँ' का नाम सुनते ही हमारे जेहन (मस्तिष्क) में शहनाई का बिंब उभर आता है। 'शहनाई' का तात्पर्य है-बिस्मिल्ला खाँ का हाथ। 'शहनाई' शब्द कान में पड़ते ही हमें बिस्मिल्ला खाँ और उनके हाथ की याद हो आती है।

(ii) 'हाथ' का आशय क्या है?

उत्तर - 'हाथ' का आशय केवल इतना ही कि बिस्मिल्ला खाँ की फूँक और उस फूँक से शहनाई से उत्पन्न होनेवाली जादुई आवाज का असर हमारे सिर चढ़कर बोलने लगता है।

(iii) दुनिया के सुबहान अल्लाह कहने पर विस्मिल्ला खाँ का क्या जवाब होता था ?

उत्तर - दुनिया जब बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई से निकलनेवाली मधुर आवाज से तृप्त होकर उनकी तारीफ (प्रशंसा) में कहती- 'सुबहान अल्लाह' - धन्य है ईश्वर जिसने आपको ऐसी कला दी है, तब बिस्मिल्ला खाँ का उत्तर होता था कि इसमें मेरा कुछ भी नहीं है, सारी तारीफ (प्रशंसा) तो उस ईश्वर की होनी चाहिए- 'अलहमदुलिल्लाह' ।

(iv) अमीरुद्दीन से फकीर ने क्या कहा? अमीरुद्दीन किसका नाम था ?

उत्तर - अमीरुद्दीन से फकीर ने कहा- 'बजा, बजा', अर्थात तुम शहनाई बजाओ, बजाते रहो शहनाई, सारी दुनिया में तुम्हारा नाम छा जाएगा। बिस्मिल्ला खाँ के बचपन का नाम अमीरुद्दीन था।

Long answer question

5. बिस्मिल्ला खाँ सजदे में किस चीज के लिए गिड़गिड़ाते थे? इससे उनके व्यक्तित्व का कौन-सा पक्ष उद्घाटित होता है?

उत्तर - शहनाई प्रभाती की मंगलध्वनि की संपूरक है। बिस्मिल्ला खाँ लगातार अस्सी बरस से सच्चे सुर का वरदान माँग रहे थे। वे अस्सी बरस से पाँचों वक्त की नमाज में सच्चे सुर के लिए खुदा के आगे झुकते थे और नमाज के बाद सजदे (माथा टेकना) में गिड़गिड़ाकर कहते थे, "मेरे मालिक, एक सुर बक्स दे। सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसू निकल आएँ।"

इससे बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व का आध्यात्मिक पक्ष उजागर होता है। बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व में ईश्वरभक्ति के साथ संगीत के प्रति अटूट समर्पण है। बिस्मिल्ला खाँ को अल्लाह (मालिक) में पूरा विश्वास है और उन्हें मालूम है कि सच्चे हृदय से कुछ माँगने पर मालिक उसकी पूर्ति अवश्य करता है।

6. बिस्मिल्ला खाँ का परिचय पाठ के आधार पर दें।

उत्तर - बिस्मिल्ला खाँ महान शहनाईवादक थे। उनका जन्म डुमराँव, बिहार के एक संगीतप्रेमी परिवार में हुआ था। वे अपनी शहनाई के प्रति सर्वतोभावेन समर्पित थे। अपने मजहब के प्रति समर्पित होने के बाद भी वे काशी विश्वनाथ के प्रति अतिशय श्रद्धा रखते थे। वे अदबपसंद कलाकार थे। वे निश्छलहृदय और उदार मानव थे। वे सामाजिक और मानवीय चेतना से परिपूर्ण थे।

7. (i) बिस्मिल्ला खाँ जब काशी से बाहर प्रदर्शन करते थे तो क्या करते थे? इससे हमें क्या सीख मिलती है ?

उत्तर - बिस्मिल्ला खाँ जब काशी से बाहर प्रदर्शन करते थे तब वे विश्वनाथ व बालाजी मंदिर की दिशा की ओर मुँह करके बैठते थे। थोड़ी देर के लिए उनकी शहनाई का प्याला उस दिशा की ओर घुमा दिया जाता था। बिस्मिल्ला खाँ के भीतर की कवि-आस्था संगीतमय होकर बाबा विश्वनाथ और बालाजी के श्रीचरणों में समर्पित होने लगती थी। बिस्मिल्ला खाँ के लिए इस धरती पर कहीं जन्नत (स्वर्ग) है तो वह है शहनाई और काशी में ।

काशी से बाहर बिस्मिल्ला खाँ के उपर्युक्त आस्थापूर्ण आचरण से हमें एक महत्त्वपूर्ण सीख मिलती है। और वह सीख है कि हमें सांप्रदायिक भेदभाव से मुक्त होकर सच्चा इंसान बनना चाहिए। अपने राष्ट्र के प्रति हममें समर्पण का भाव होना चाहिए तथा ईश्वर में हमारी अटूट आस्था होनी चाहिए।

(ii) 'संगीतमय कचौड़ी' का आप क्या अर्थ समझते हैं?

उत्तर - 'संगीतमय कचौड़ी' का शाब्दिक अर्थ हुआ- - वह कचौड़ी जिसमें संगीत - बसा हो। पर शायद, इस तरह की कचौड़ी किसी ने न देखी हो और न चखी हो । इस तरह की कचौड़ी केवल बिस्मिल्ला खाँ ने देखी थी और चखी थी। कुलसुम की देशी घी वाली दुकान में बिस्मिल्ला खाँ की संगीतमय कचौड़ी बनती थी। संगीतमय कचौड़ी इस अर्थ में कि जब कुलसुम कलकलाते घी में कचौड़ी डालती थी, तब उस समय 'छन्न' से उठनेवाली खाली आवाज में उन्हें संगीत के सारे आरोह-अवरोह दिख जाते थे।

(iii) डुमराँव की महत्ता किस कारण से है ?

उत्तर - डुमराँव की महत्ता विश्वविख्यात शहनाईवादक बिस्मिल्ला खाँ के कारण है। इनका जन्म बिहार राज्य के डुमराँव में एक संगीतप्रेमी परिवार में हुआ था।

11. नौबतखाने में इबादत

1. नौबतखाने में इबादत पाठ के केन्द्र में हैं -

(A) बिरजू महाराज

(B) बिस्मिल्ला खाँ

(C) जाकिर हुसैन

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – B

2. कविता नहीं है -

(A) एक वृक्ष की हत्या

(B) लौटकर आऊँगा फिर

(C) नौबतखाने में इबादत

(D) हमारी नींद

Ans – C

3. इबादत का अर्थ है -

(A) उपासना

(B) इठलाना

(C) ईंट

(D) ईख

Ans – A

4. 'सुषिर वाद्यों में शाह' की उपाधि प्राप्त है -

(A) तबला को

(B) बाँसुरी को

(C) ढोलक को

(D) शहनाई को

Ans – D

5. 'बिस्मिल्ला खाँ' का संबंध है -

(A) बाँसुरी से

(B) हारमोनियम से

(C) तबला से

(D) शहनाई से

Ans – D

6. बिस्मिल्ला खाँ की मृत्यु कब हुई ?

(A) 21 अगस्त, 2006

(B) 30 मई, 2000

(C) 12 सितम्बर, 1961

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – A

7. फटा सुर न बख्शे लुंगिया का क्या है, आज फटी तो कल सिल जायेगी। उपर्युक्त कथन किसका है ?

(A) शम्सुद्दीन

(B) अलीबख्श

(C) बिस्मिल्ला खाँ

(D) पैगंबर बख्श

Ans – C

8. संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्भुत परंपरा कहाँ रही है ?

(A) काशी

(B) डुमराँव

(C) लखनऊ

(D) इलाहाबाद

Ans – A

9. शास्त्रों में आनंदकानन के नाम से प्रतिष्ठित है।

(A) डुमराँव

(B) काशी

(C) लखनऊ

(D) इलाहाबाद

Ans – B

10. उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ का जन्म कहाँ हुआ

(A) बदरघाट, पटना

(B) डुमराँव, बिहार

(C) काशी, उत्तरप्रदेश

(D) बलिया उत्तरप्रदेश

Ans – B

11. नौबतखाना का अर्थ है -

(A) प्रवेश द्वार के ऊपर मंगल ध्वनि बजाने का स्थान

(B) पूजाघर

(C) इबादत

(D) शिक्षा

Ans – A

12. उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ को मिला है -

(A) भारतरत्न

(B) संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार

(C) पद्मविभूषण

(D) उपर्युक्त सभी पुरस्कार

Ans – D

13. धत् पगली ई भारत रत्न हमको शहनाईया पे मिला है, लुंगिया पे नाहीं। अपने शिष्या से किसने कहा ?

(A) बिस्मिल्ला खाँ

(B) पैगंबर बख्श

(C) अलीबख्श

(D) शम्सुद्दीन

Ans – A

14. नीवतखाने में इवादत' पाठ में लेखक ने किनका व्यक्तिगत चित्र प्रस्तुत किया है ?

(A) पं० बिरजू महाराज

(B) महात्मा गाँधी

(C) बिस्मिल्ला खाँ

(D) यतीन्द्र मिश्र

Ans – C

15. हिन्दी सिनेमा के जाने-माने गीतकार गुलजार की कविताओं का संपादन यतीन्द्र मिश्र ने किस नाम से किया है ?

(A) चार जुलाहे

(C) गिरिजा

(B) थाती

(D) सहित

Ans – A

16. किस पुस्तक में भरतनाट्यम और ओडिसी की प्रख्यात नृत्यांगना सोनल मान सिंह से यतीन्द्र मिश्र का संवाद संकलित है ?

(A) गिरिजा

(B) देवप्रिया

(C) यदा-कदा

(D) नौबतखाने में इबादत

Ans – B

17. 'नौबतखाने में इबादत' साहित्य की कौन-सी विधा है ?

(A) निबंध

(B) कहानी

(C) व्यक्तिचित्र

(D) साक्षात्कार

Ans – C

18. 'नौबतखाने में इबादत' में किनके जीवन के रुचियाँ, अंतर्मन की बुनावट, संगीत साधना आदि गहरे जीवन नुराग और संवेदना के साथ प्रकट हुए हैं ?

(A) बिस्मिल्ला खाँ

(B) महात्मा गाँधी

(C) प० विरजू महाराज

(D) मैक्समूलर

Ans – A

19. व्यक्ति चित्र है -

(A) जित-जित मैं निरखत हैं

(B) भारत से हम क्या सीखें

(C) नौबतखाने में इबादत

(D) बहादुर

Ans – C

20. प्रसिद्ध शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ का जन्म कब हुआ?

(A) 1912

(C) 1925

(B) 1916

(D) 1938

Ans – B

21. कमरूद्दीन/उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ के बड़े भाई कौन थे ?

(A) अलीवख्श

(B) सादिक हुसैन

(C) सलार हुसैन

(D) शम्सुद्दीन

Ans – D

22. उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ को रियाज के लिए जाना पड़ता था।

(A) संकटमोचन मंदिर

(B) पुराना बालाजी का मंदिर

(C) शिव मंदिर

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – B

23. 5 - 6 वर्ष डुमराँव में बिताकर कमरूद्दीन कहाँ आ गये थे?

(A) लखनऊ

(B) बनारस

(C) काशी

(D) इलाहाबाद

Ans – C

24. शहनाई बजाने के लिए किसका प्रयोग होता है?

(A) वीणा

(B) संतुर

(C) रीड नरकट

(D) सितार

Ans – C

25. रसूलनाबई थी-

(A) कवयित्री

(B) कथा वाचिका

(C) गायिका

(D) नर्त्तकी

Ans – C

26. बिस्मिल्ला खाँ के बचपन का नाम था ?

(A) नसरुद्दीन

(B) अमीरुद्दीन

(C) कमरुद्दीन

(D) अमीरुद्दीन

Ans – C

27. ..... का नाम जुड़ा है ?

(A) ईद

(B) बकरीद

(C) मुहर्रम

(D) मिलाद

Ans – C

28. काशी किसकी पाठशाला है ?

(A) संस्कृति की

(B) नृत्य की

(C) नर्त्तन की

(D) वादन की

Ans – A

29. बिस्मिल्ला खाँ के परदादा उस्ताद सलार हुसैन खाँ के निवासी थे?

(A) डुमरॉव

(B) सीतामढ़ी

(C) दरभंगा

(D) पटना

Ans – A

30. 'अमीरुद्दीन' नाम किसका था ?

(A) मिट्ठन मियाँ का

(B) बिस्मिल्ला खाँ का

(C) अलीबख्श का

(D) जमाल शेख का

Ans – B